पेश है TalkCampus!

विद्यार्थी जीवन किसी के लिए भी बेहद मुश्किल भरा हो सकता है, आप अकेलापन, भारीपन और कभी-कभी ऊब से घिरा हुआ महसूस करते हैं।

और इस बात से कोई भी इंकार नहीं करेगा कि इस दौर में मन की बात खुलकर कहना बेहद मुश्किल होता है। पेश है TalkCampus, जो ऐसे हर व्यक्ति और सभी लोगों की ज़रूरतें पूरी करेगा, जो किसी के साथ बस दिल खोलकर बातें करना चाहते हैं। जो सिर्फ़ अपने मन की बात किसी को सुनाना चाहते हैं। क्योंकि हाँ, हम सभी ऐसा करते हैं।

हम यहाँ उन पलों में आपका साथ देंगे, जब आपको दोस्त की ज़रूरत होगी, चाहे वे कहीं भी क्यों न हों। जब आपको किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश हो, जो आपकी मनोदशा को समझता हो, तो हम आपकी मदद करेंगे (क्योंकि आपके दिल की हालत समझने वाला कोई न कोई ज़रूर होता है)। बेशक, जीवन में उतार-चढ़ाव की कमी नहीं होती। लेकिन उतार-चढ़ाव तो हम में से हरेक के जीवन में आते हैं, तो भला हम उनका सामना हमेशा अकेले ही क्यों करें?

TalkCampus के रूप में हमने एक ऐसी
जगह बनाई है, जहाँ हम सब मिलकर ज़िंदगी की दुश्वारियों को कम करने की कोशिश करते हैं, क्योंकि साथ मिलने पर सबकुछ अच्छा होता है। जी हाँ, सबकुछ। जैसे, पीनट बटर और जैली के साथ को ही देखिए, जिनका एक साथ लुत्फ़ उठाते हुए आज हमें कम-से-कम आठ दशक हो चुके हैं।

इसलिए, TalkCampus पर आकर संघर्ष के बिल्कुल उसी दौर से गुज़र रहे दुनिया भर के दूसरे विद्यार्थियों के साथ दिन या रात, किसी भी समय बात करें। हम जानते हैं कि कभी-कभी परिवार के लोगों या यहाँ तक कि दोस्तों के साथ भी कुछ विषयों पर बातचीत करना थोड़ा मुश्किल होता है।

यह एक सुरक्षित जगह है, जहाँ आप गुमनाम रहकर तकरीबन किसी भी विषय पर बात कर सकते हैं; जैसे मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, खुद को नुकसान पहुँचाने के विचार, खाने-पीने से जुड़े विकार, बदनुमा ब्रेक-अप या रिश्तों से जुड़ी समस्याएँ, तनाव और पढ़ाई...विषय कोई भी हो सकता है। अगर आप इनके बारे में बात करना चाहते हैं, तो ज़ाहिर है कोई और भी ऐसा करना चाहता है। आपके बारे में कोई भी राय कायम नहीं की जाएगी। आपको कोई परेशान नहीं करेगा, क्योंकि यहाँ सिर्फ़ आपकी मनोदशा को समझने वाले लोग हैं।

इसलिए आज ही TalkCampus को मुफ़्त डाउनलोड करके हमसे जुड़ें और अपनी ज़िंदगी को अभी से ही और आगे भी बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाएँ। आइए ज़िंदगी के बारे में चर्चा करें और इसकी गुत्थियों को साथ मिलकर सुलझाएँ।